20-02-2021

''बस्ती महोत्सव 2021'' में भाषण

- बस्ती महोत्सव 2021 के इस कार्यक्रम में आप सबके बीच उपस्थित होकर मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है। वर्ष 2019 से प्रारंभ हुआ यह आयोजन अपनी स्थापना के तीसरे वर्ष में है और मात्र तीन वर्षों में बस्ती महोत्सव ने अपने स्वरुप, कार्यक्रमों तथा जनपद के विभिन्न रंगों के प्रभावशाली प्रस्तुतीकरण द्वारा अत्यधिक लोकप्रियता हासिल की है। यहाँ आकर संस्कृति के इन विविध रंगों को देखना सुखद अनुभूति है।

- बस्ती जनपद का एक स्वर्णिम इतिहास रहा है। भारतीय संस्कृति और सभ्यता की समृद्धि यहां के इतिहास में भी प्रदर्शित होती है।

- एक ओर यहां की प्राकृतिक सुंदरता अद्भुत है, वहीं दूसरी ओर यह जनपद देश की धार्मिक और आध्यात्मिक विरासत से निकटता से जुड़ा है।

- ऐतिहासिक काल में घाघरा और सरयू नदी के तट पर स्थित बस्ती जनपद गुरू वशिष्ठ का आश्रम स्थल था।

- अयोध्या के राजा दशरथ ने इसी पावन धरती पर पुत्रेष्टि यज्ञ किया था जिसके बाद मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान श्री राम का अवतार हुआ।

- महान संत कबीर की जन्म स्थली भी समीप में ही है। मैं इस जनपद की पावन माटी को नमन करता हूं।

- यह जनपद देश की स्वतंत्रता के लिए मर मिटने वाले बहादुरों की भूमि भी है। 1857 में हमारे प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान इस वीरभूमि पर 300 से अधिक सेनानियों को मृत्युदंड दिया गया था।

- आज भी यह पवित्र भूमि हमें देश के लिए अपना सर्वस्व बलिदान कर देने का सन्देश देती है। मैं उन सभी अमर शहीदों को भी कोटि-कोटि नमन करता हूं।

- शास्त्री चौक पर आज स्थापित विशाल राष्ट्रीय ध्वज हम सबको देश प्रेम के साथ साथ स्वतंत्रता सेनानियों के महान बलिदान की याद सदैव दिलाता रहेगा।

- महान स्वतंत्रता सेनानी राजा जालिम सिंह, सन्त देवराहा बाबा और हिन्दी के महान साहित्यकार आचार्य रामचंद्र शुक्ल जी और सर्वेश्वर दयाल सक्सेना का भी नाम इस धरती से जुड़ा है जो यहां की समृद्ध सांस्कृतिक और सामाजिक परम्पराओं की ओर संकेत करता है।

- साथियो, मुझे प्रसन्नता है कि आपने इस महोत्सव में कोरोना योद्धाओं का स्मरण किया है। वैश्विक महामारी कोरोना ने देश की सामाजिक-आर्थिक स्थिति पर गहरा प्रभाव डाला है। परन्तु इस महामारी से सफलतापूर्वक लड़ने में सबसे अधिक श्रेय हमारे कोरोना योद्धाओं को जाता है।

- उन्होंने अपनी निजी सुरक्षा की चिंता किये बिना हम सबको कोरोना से सुरक्षित रखने और स्वस्थ रखने के लिए कार्य किया है। पूरा देश उनके कार्यों के लिए उनके प्रति कृतज्ञ है।

- लोकसभा ने भी उनके योगदान की सराहना की थी और उन कोरोना योद्धाओं को श्रद्धांजलि दी जिन्होंने इस युद्ध में अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था।

- साथियो, कोरोना महामारी से पूरे विश्व के आर्थिक विकास पर नकारात्मक असर हुआ परन्तु माननीय प्रधान मंत्री जी के नेतृत्व में हमने इस आपदा को अवसर में बदला और बहुत कम समय में PPE किट, वेंटीलेटर तथा अन्य स्वास्थ्य उपकरणों में आत्मनिर्भरता ही प्राप्त नहीं किया बल्कि आज हम उनका अन्य देशों को निर्यात भी कर रहे हैं।

- इसी प्रकार आज हमारे देश में विकसित वैक्सीन न सिर्फ भारतीय नागरिकों के लिए उपलब्ध हैं बल्कि हम अपने मित्र देशों को भी वैक्सीन की आपूर्ति कर रहे हैं।

- भारतीय वैक्सीन दुनिया भर में कोरोना से लड़ने में लोगों की सहायता कर रहे हैं। हमें अपने वैज्ञानिकों और उद्यमियों पर गर्व है।

- माननीय प्रधानमंत्री जी ने हमें आत्मनिर्भरता और Vocal for Local का मन्त्र दिया है जिससे नए भारत का निर्माण हो रहा है। यह मन्त्र प्रत्येक भारतवासी के लिए है और हम सबको राष्ट्र निर्माण के लिए प्रतिबद्धता और समर्पण से कार्य करने के लिए प्रेरित करता है।

- वोकल फॉर लोकल मात्र स्थानीय उत्पादों को Promote करने का मन्त्र नहीं है बल्कि हमारी हजारों वर्ष पुरानी सभ्यता और संस्कृति की शक्ति को राष्ट्र निर्माण के लिए उपयोग करने का मन्त्र है।

- साथियो, भारत उत्सव और त्यौहारों की धरती है। हमारा इतिहास और संस्कृति इतनी समृद्ध है कि प्रत्येक दिन किसी न किसी पर्व से हमारे यहां आनंद और उल्लास का माहौल रहता है।

- यह सही है कि पिछला एक वर्ष काफी कठिन रहा है। कोरोना के कारण देश में लगभग सभी गतिविधियों पर रोक लगी रही। यहां तक की हमने अपने त्यौहार भी घरों में रहकर ही मनाए। हालांकि, स्थितियां अब सुधर रही हैं और उसी परिदृश्य में यह आयोजन भी संभव हो सका है।

- बस्ती महोत्सव एक अद्भुत कार्यक्रम है जिसमें जनपद की बहुरंगी कला एवं संस्कृति के साथ अनूठे शिल्प का भी प्रदर्शन होता है।

- इससे न सिर्फ उन कलाओं को संरक्षण मिलता है बल्कि 'आत्मनिर्भर भारत' की हमारी थीम को भी बढ़ावा मिलता है और Local के लिए Vocal होने की हमारी प्रतिबद्धता भी दिखती है।

- उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा "एक जनपद-एक उत्पाद" कार्यक्रम चलाया जा रहा है जिसका उद्देश्य विशिष्ट शिल्प कलाओं एवं उत्पादों को प्रोत्साहित करना है। हमारे देश मे लगभग हर जिले में ऐसे उत्पाद हैं, ऐसी विशेषज्ञता है जो देश में कहीं और उपलब्ध नहीं हैं।

- बस्ती जनपद अपनी 'काष्ठ कला' के लिये जाना जाता है। इस योजना का लाभ छोटे स्थानीय कारोबारियों और शिल्पियों को विशेष रूप से मिल रहा है। इससे यहाँ रोजगार का व्यापक सृजन होगा और आर्थिक समृद्धि का लक्ष्य हासिल होगा।

- भाइयो और बहनो, हम गीत, संगीत, नृत्य, नाट्यकला, लोक परंपराओं, प्रदर्शन कलाओं, रीति-रिवाजों, चित्रकलाओं एवं साहित्य से परिपूर्ण एक समृद्ध, अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के उत्तराधिकारी हैं।

- जैसे जैसे यह विश्व ग्लोबलाइज हो रहा है, इस परिस्थिति में हमें अपनी-अपनी संस्कृतियों के सर्वोत्तम पहलुओं का संरक्षण, संवर्द्धन एवं प्रचार-प्रसार करना चाहिए।

- यह आयोजन हमें हमारी परम्पराओं से तो जोड़ ही रहा है, हमें कोरोना वॉरियर्स से प्रेरणा लेकर स्वयं को देश के लिए सदैव समर्पित रहने की प्रेरणा भी दे रहा है। मेरे विचार में बस्ती महोत्सव जैसे कार्यक्रम देश के हर स्थान पर आयोजित करने की आवश्यकता है ताकि हमारी समृद्ध विरासत तथा संस्कृति को अंतर्राष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय मंच मिल सके।

- मैं आप सबका और विशेष रूप से यहां के लोकप्रिय सांसद श्री हरीश द्विवेदी जी को इस आयोजन के लिए बधाई देता हूं। आज महोत्सव का दूसरा दिन है। आप सब कोरोना दिशानिर्देशों का पालन करते हुए इस महोत्सव का पूरा आनंद लें।

- मुझे यहां आमंत्रित करने के लिए मैं एक बार पुनः आप सभी को धन्यवाद देता हूं। यहां आपने जो स्नेह मुझे दिया उसके लिए भी मैं आप सभी का आभार व्यक्त करता हूं।

- धन्यवाद। जय हिंद।

———